

न्यायालय सहायक कलेक्टर एवम उपखण्ड अधिकारी ओसियों

पीठासीनी अधिकारी :- रतनलाल रेगर

राजस्व अपील सख्या 02/2018

अपीलाण्ट :-

पेमाराम पुत्र श्री देवाराम जाति जाट निवासी ग्राम पुनासर तहसील ओसियों
जिला जोधपुर

बनाम

रेस्पोंडेण्टगण :-

1. सुखाराम पुत्र श्री मानाराम जाति जाट निवासी ग्राम पुनासर तहसील
ओसियों जिला जोधपुर
2. ग्राम पंचायत पुनासर जरिये सरपंच ग्राम पंचायत पुनासर तहसील ओसियों
जिला जोधपुर

अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम बनाराजगी
नामान्तरकरण सख्या 1387 जो ग्राम पंचायत पुनासर द्वारा दिनांक 20.06.
2010 को जारी किया गया था।

उपस्थिति :-

अपीलाण्ट की ओर से :- अधिवक्ता श्री दिनेश कुमार मदेरणा

रेस्पोंडेण्ट सख्या 01 :- स्वयं उपस्थित

रेस्पोंडेण्ट सख्या 02 :- बावजूद तामिल अनुपस्थित

--:निर्णय :-

अपीलाण्ट की ओर से उक्त अपील इस आशय की पेश की कि अपीलाण्ट व अन्य
सहखातेदारों की खातेदारी भूमि नवसृजित तहसील बापिणी के राजस्व ग्राम पुनासर
पीठासर के खसरा सख्या 993 रकबा 58 बीघा 14 बिश्वा भूमि आयी हुई थी। उक्त
खसरा की भूमि की चालू जमाबन्दी की प्रति पेश है। उक्त खसरा की भूमि में

सहायक कलेक्टर, जोधपुर

अपीलाण्ट व अपीलाण्ट की माता श्री रम्भा देवी सयुक्त रूप से 1/3 हिस्से के खातेदार थे जिसमें अपीलाण्ट का 1/3 हिस्से में से 1/2 हिस्सा यानि सम्पूर्ण भूमि में से 1/6 हिस्सा था। अपीलाण्ट ने अपने खातेदारी व कब्जा काशत सुदा भूमि खसरा सख्या 993 रकबा 58 बीघा 14 बिश्वा भूमि में से अपने 1/6 हिस्से में से 4/27 वॉ हिस्सा यानि सम्पूर्ण भूमि में 02/81 वॉ हिस्सा जिसका प्रभावित रकबा 01 बीघा 09 बिश्वा भूमि का बेचान रेस्पोजेट सख्या 01 को जरिये रजिस्टर्ड बेचाननामा के दिनांक 23.06.2010 को कर दिया। उक्त बेचाननामा के आधार पर अपीलाधीन नामान्तरकरण सख्या 1387 अधिनस्त न्यायालय रेस्पोजेट सख्या 02 के द्वारा दिनांक 30.06.2018 को स्वीकृत किया गया। उक्त अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकार करते समय रेस्पोजेट सख्या 01 का सम्पूर्ण भूमि में से अलग से हिस्सा 4/27 दर्ज कर दिया व अपीलाण्ट का हिस्सा 3/162 दर्ज कर दिया जबकि उक्त खसरान की भूमि में अपीलाण्ट का 23/162 वॉ हिस्सा है, तथा रेस्पोजेट सख्या 01 का सम्पूर्ण भूमि में 02/81 वॉ हिस्सा है। इस प्रकार से राजस्व कर्मचारियों द्वारा बेचाननामा के विरुद्ध नामान्तरकरण भरकर अधिनस्त न्यायालय के समक्ष पेश किया जिसे अधिनस्त न्यायालय द्वारा विधिविरुद्ध तरीके से स्वीकृत किया जिसको निरस्त करने बाबत आधार पेश किये कि

यह है कि अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकार करते समय राजस्व कर्मचारियों के द्वारा विक्रय विलेख की सही जाँच नहीं की गयी तथा न ही विधिनुसार हिस्सा निकालकर राजस्व रेकर्ड में दर्ज किया गया। अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकार करते समय अपीलाण्ट को किसी भी प्रकार की कोई सूचना नहीं दी गयी थी यदि अपीलाधीन नामान्तरकरण को दर्ज करते समय यदि अपीलाण्ट को सुनवाई का अवसर दिया जाता तो अपीलाण्ट पूर्ण रूप से विक्रय विलेख में अकित हिस्से के अनुरूप ही अपना हिस्सा राजस्व रेकर्ड में दर्ज करवाते लेकिन अपीलाण्ट की अनुपस्थिति में व सुनवाई का अवसर दिये बिना व विक्रय विलेख की जाँच किये बिना अपीलाधीन नामान्तरकरण पारित किया है। जो काबिल ए निरस्त के है। अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकृत करने से पूर्व अपीलाण्ट को सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया अधिनस्त न्यायालय अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकृत करने से पूर्व अपीलाण्ट को सुनवाई हेतु कोई नोटिस भी जारी नहीं किये गये जबकि विधि अनुसार अपीलाण्ट उपरोक्त विवादग्रस्त खेत खसरा में बेचान के पश्चात शेष 23/162 वॉ हिस्सा रहता है। जिस पर आज भी अपीलाण्ट काबिज काशत है व खातेदारी हक अधिकार प्राप्त है। अन्त में ईस्तदुआ चाही कि: अपील अपीलाण्ट प्रस्तुत कर निवेदन है कि अपील अपीलाण्ट स्वीकार फरमायी जावे, एव नामान्तरकरण सख्या 1387 दिनांक 30.06.2010 का निरस्त फरमाया जावे, तथा

अधीनस्त न्यायालय द्वारा स्वीकार किया गया था को निरस्त फरमाया जावे, तथा

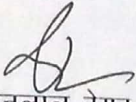
विक्रय विलेख दिनांक 23.06.2010 के अनुसार रेस्पोजेट का हिस्सा निकालकर व अपीलाण्ट का वास्तविक हिस्सा निकाल कर विधि अनुसार पुन हिस्सा राजस्व रेकॉर्ड जमाबन्दी में दर्ज करने का आदेश सादिर फरमावे।

अपील के समर्थन में शपथपत्र भी पेश किया गया तथा अपील को अन्दर म्याद सुमार करने बाबत धारा 05 परिसीमा अधिनियम का प्रार्थना पत्र पेश किया गया । तत्पश्चात अपीलाण्ट की अपील दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोजेसगण को जरिये नोटिस तलब किया गया रेस्पोजेट सख्या 01 स्वय उपस्थित हुआ व अपीलाण्ट के तथ्यो को स्वीकार किया व अपील को स्वीकार किये जाने की ईस्टुआ चाही । प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यो पर मनन किया गया । जिसके आधार पर धारा 05 परिसीमा अधिनियम का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अपील को अन्दर म्याद सुमार किया जाता है।

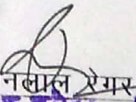
पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया अवलोकन से पाया गया कि अपीलाधीन नामान्तरकरण स्वीकार करते समय विक्रय के पश्चात जो शेष अपीलाण्ट का हिस्सा 23/162 रहता है। जो दर्ज नहीं किया गया त्रुटिवश 03/162 हिस्सा दर्ज कर दिया गया जो विधिविरुद्ध है। लिहाजा यह अपील स्वीकार योग्य है।

आदेश

अत अपील अपीलाण्ट स्वीकार की जाकर अपीलाधीन नामान्तरकरण सख्या 1387 जो ग्राम पंचायत पुनासर द्वारा दिनांक 20.06.2010 को जारी किया गया था को अपास्त किया जाता है तथा तहसीलदार बापिणी को आदेश दिया जाता है कि विक्रय विलेख दिनांक 23.06.2010 की जाँच कर वास्तविक हिस्सा निकालकर अपीलाण्ट का वास्तविक हिस्सा पुन राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज करावे।


रतनलाल रेगर (आर.ए.एस)
सहायक कलेक्टर ओसियाँ

निर्णय आज दिनांक 30/1/19 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।


रतनलाल रेगर (आर.ए.एस)
सहायक कलेक्टर ओसियाँ